This question paper contains 4 printed pages.

8872 आपका अनुक्रमांक ______________

B.A. (बी०ए०) / II **AS**

HINDI (B)— Paper II

हिन्दी (ख)— प्रश्नपत्र II

(भाषा-दक्षता, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नाटक एवं आधुनिक काव्य संग्रह)

(प्रवेश वर्ष 2000 से 2003 for Category A और 2000 से 2005/2006 for N.C.W.E.B., Non-Formal Cell / SOL)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक :* 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक SOL / NCWEB / Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में, कम होंगे।*

1. (क) मानक हिन्दी की विशेषताएँ लिखिए। 5

(ख) राजभाषा हिन्दी पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ग) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ बताइए। 5

(घ) किन्हीं पाँच प्रशासनिक अभिव्यक्तियों के हिन्दी प्रतिरूप लिखिए :

P. T. O.

(*i*) As per detail below

(*ii*) Charge handed over

(*iii*) Day to day administrative work

(*iv*) For sympathetic consideration

(*v*) Kindly acknowledge

(*vi*) Please see the preceding notes

(*vii*) Carried forward

(*viii*) The required papers are placed below. 5

(ङ) किन्हीं पाँच लोकोक्तियों-मुहावरों के हिन्दी प्रतिरूप लिखिए :

(*i*) A bone of contention

(*ii*) Brain drain

(*iii*) To freeze out

(*iv*) To look blank

(*v*) When two Fridays come together

(*vi*) Once in a blue moon

(*vii*) Birds of a feather flock together

(*viii*) To build castles in the air. 5

2. (क) आदिकाल अथवा रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

(ख) सूफ़ी काव्य अथवा कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताएँ बताइए। 10

3. 'बकरी' नाटक में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'युवक' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

4. (क) महादेवी वर्मा **अथवा** हरिवंशराय 'बच्चन' का साहित्यिक परिचय दीजिए। 7

(ख) 'सखि वे मुझसे कह कर जाते' **अथवा** 'हम अनिकेत' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 8

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जो इतिहास को झुठलाता है वह समाजद्रोही है, देशद्रोही है। समय उसे कभी माफ नहीं करेगा। यह युग झूठे दावों का युग नहीं है। अधिकारों का दावा करने से पहले देखना होगा कि आपके कर्त्तव्यों की बुनियाद क्या है।

अथवा

दौलत की है दरकार ए सरकार आपको,
सबको उजाड़ चाहिए घरबार आपको,
मक्कारी, ढोंग, छल, फरेब आप बाँटिए
बदले में मगर चाहिए एतबार आपको,
आदत जो पड़ गई है वो अब छूटती नहीं
कोई शिकार चाहिए हर बार आपको। 8

6. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार
चकित रहता शिशु-सा नादान,

विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान
न जाने, नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मुझको मौन !

(ख) यश है न वैभव है, मान है न सरमाया,
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन—
छाया मत छूना—
मन, होगा दुःख दूना।

(ग) यह लड़ाई
ज़्यादा नहीं चलने की
क्योंकि उसके रहते
चोरों की दाल नहीं गलने की .....
एक छोटे-से चक्रव्यूह में घिरा है वह
और एक महाभारत में प्रतिक्षण
लोहूलुहान हो रहा है सम्मेदीन। 10,10